मोटो जीपी और ट्रेड शो से यूपी की ग्लोबल ब्रॉन्डिंग

5000 करोड़ का कारोबार

पांच दिन के ट्रेड शो में एक लाख से ज्यादा निर्यात ऑर्डर मिले
वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम ने खींचा दुनिया का ध्यान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। पिछला हफ्ता उत्तर प्रदेश के नाम रहा। 21 से 25 सितंबर के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर के तीन बड़े आयोजनों से दुनिया ने यूपी को नए कलेवर और अंदाज में देखा। एक तरफ मोटो जीपी रेस के सफल आयोजन के जरिये अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में अपनी छाप छोड़ी तो दूसरी तरफ वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के साथ दिग्गज खिलाड़ियों के जमावड़े ने काशी को खेल के नए गढ़ के रूप में देखा।

पहली बार आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो ने उम्मीद से ज्यादा सफलता बटोरी। पांच दिन में पांच हजार करोड़ का कारोबार और यहां के हस्तशिल्पियों के हुनर के कायल 60 देशों के कारोबारी हो गए। वहीं, लगभग एक लाख निर्यात ऑर्डर यूपी के उद्यमियों की झोली में आए।

इन आयोजनों का सीधा असर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार पर पड़ेगा। इंटरनेशनल ट्रेड शो लगभग 10 हजार एमएसएमई उद्यमियों व हस्तशिल्पियों को पहली बार ग्लोबल प्लेटफार्म दिया। जो अपने उत्पादों को यूपी में ही नहीं पहुंचा पाते थे, उनके कौशल को लगभग 60 देशों से आए आयातकों ने सराहा। उम्मीद है कि अगले एक साल में कम से कम 10 हजार करोड़ रुपये के निर्यात ऑर्डर और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 15 हजार करोड़ रुपये के उत्पादों की मांग छोटे उद्यमियों के लिए गेम चेंजर साबित होगी। अगले ट्रेड शो तक प्रदेश को करीब पांच हजार नए युवा उद्यमी मिलेंगे। एक लाख रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। हुनरमंद निर्यात के लिए पहचान के मोहताज नहीं रहेंगे। पांच दिन तक ग्रेटर नोएडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान और औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी सक्रिय रहे।

पर्यटन विभाग के स्टॉल को गोल्ड पुरस्कार

नोएडा में 21 से 25 सितंबर तक हुए पहले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के पर्यटन विभाग को सर्वोत्तम स्टॉल के लिए गोल्ड पुरस्कार मिला। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि यह अवॉर्ड सबसे ज्यादा आगंतुकों और लोकप्रियता के लिए मिला है।

विभाग के स्टॉल पर रोजाना लगभग 3 से 5 हजार लोग आते थे। स्टॉल के मुख्य आकर्षण, डोम में चल रहे वीआर शो भी रहा। ब्यूरो

इंटरनेशनल ट्रेड शो

- हस्तशिल्प उत्पादों की जबर्दस्त खरीदारी, 75 हजार बी2बी एक्सपोर्ट ऑर्डर मिले
- ट्रेड शो में लगभग तीन लाख लोग और 60 देशों के खरीदार पहुंचे
- विभिन्न जिलों से 300 महिला उद्यमियों ने भी लिया हिस्सा
- एक्सपोर्ट आर्डर सहित कम से कम चार हजार करोड़ रुपये का बिजनेस

मोटो जीपी में एक लाख दर्शक, 930 करोड़ रुपये का कारोबार

अभी तक देश में क्रिकेट की दीवानगी ही देखी गई थी। पहली बार दुनिया ने ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में रफ्तार के रोमांच में दर्शकों का सैलाब भी देखा। यूपी दुनिया का 30वां स्पाट बना, जहां मोटो जीपी रेस हुई। इससे पहले ये रेस जापान, चीन, थाइलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में होती थी। इसकी दीवानगी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि रेस के तीसरे दिन 50 हजार दर्शक पहुंचे। तीन दिन में लगभग एक लाख दर्शकों ने रेस का लुत्फ उठाया। इनमें से 15 हजार विदेशी दर्शक थे।

- मोटो जीपी, मोटो 2 और मोटो 3 इवेंट में दुनिया की 41 टीमों के 82 राइडर्स की रफ्तार से 930 करोड़ रुपये का कारोबार हो गया। महज तीन दिनों में अरबों का कारोबार ही इवेंट की सफलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। दुनियाभर के करीब 100 देशों ने विजेता मार्को बेजेची को सीएम योगी से ट्रॉफी लेते देखा। करीब 150 इंटरनेशनल और नेशनल मीडिया ने इसे कवर किया।
- मोटो जीपी का जबर्दस्त लाभ ग्रेटर नोएडा की होटल इंडस्ट्री, रेस्टोरेंट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी समेत कई सेक्टरों को मिला है। मोटो जीपी की प्रमोटर कंपनी डोरना स्पोर्ट्स ने सीएम योगी को बेहतरीन आयोजन के लिए न केवल धन्यवाद दिया बल्कि सीईओ कार्मेलो एजपेलेटा ने कहा कि मोटोजीपी 2024 में फिर भारत आने के लिए बेताब है। सीएम ने दुनिया की दिग्गज कंपनियों के सीईओ को निवेश का न्योता देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश न सिर्फ मोटो जीपी जैसे इवेंट के लिए एक बड़ा मार्केट है बल्कि यहां पर भारत की सबसे यंग जेनरेशन भी है, जो आपके लिए एक अवसर होगा।

एक और क्रिकेट स्टेडियम के साथ खेलों का गढ़ बनेगा यूपी

कानपुर और लखनऊ के बाद वाराणसी में बनने जा रहा तीसरा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम यूपी को देश के सबसे बड़े खेल हब के रूप में स्थापित करेगा। 23 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ स्टेडियम की आधारशिला रखी थी।

गूगल के बताए रास्ते से लोगों को मिली सहूलियत, यातायात प्रबंधन की तारीफ

लखनऊ। नोएडा में दो अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजनों के दौरान यातायात प्रबंधन की खूब सराहना हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था और अपराध की समीक्षा के दौरान नोएडा पुलिस की तारीफ की। पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली से गूगल ने रास्ता बताया तो लोगों को भी ट्रैफिक में खूब सहूलियत मिली।

नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि आयोजन से पूर्व नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और बाकी रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। देश के सबसे बड़े एंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के जरिये 200 सीसीटीवी की लाइव फीड को एकसाथ देखने की व्यवस्था की गई। हर 15 मिनट पर महत्वपूर्ण चौराहों और रास्तों की लाइव फीड को सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया, जिससे आम जनता को पहले से ही रास्तों का पता चल गया।

पुलिसकर्मियों को डायवर्जन प्लान का दो बार ड्राई रिहर्सल कराया गया। इस दौरान वीवीआईपी मूवमेंट, किसान आंदोलन जैसी चुनौतियों से भी निपटने की मुकम्मल तैयारी की गई।

55 हजार गाड़ियां, कहीं पर जाम नहीं : मोटो जीपी रेस के दौरान 55 हजार गाड़ियां आईं, जिनमें से हजारों गाड़ियों के पास पार्किंग पास नहीं थे। उनके लिए मुफ्त पार्किंग का मौके पर टिकट देकर परिसर में प्रवेश दिया गया। आयोजन स्थल पर आने-जाने के अलग-अलग रास्ते दर्शाने के लिए गूगल मैप की मदद ली गई। ब्यूरो